

**सूरकंद** पुं. (तत्.) जिमीकंद, ओल, सूरन।

**सूरकांत** पुं. (तद्.) 'सूर्यकांत'।

**सूरकुमार** पुं. (तत्.) शूरसेन का पुत्र, वसुदेव (श्रीकृष्ण के पिता)।

**सूरज** वि. (तद्.) जो सूर्य से पैदा हुआ हो, सूर्य का बेटा पुं. 1. शनि 2. यम 3. सुग्रीव 4. कर्ण 5. रवि, सूर्य, आदित्य 6. वीरों का वंशज 7. मुहा. सूरज ढलना-शाम होना, पतनो-मुख होना; सूरज को दीपक दिखाना- विद्वान या बड़े के समक्ष बढ़-बढ़ कर बातें करना या विशिष्ट के समक्ष उनसे संबंध चर्चा चलाना, बहुत विवेकी के समक्ष अपना ज्ञान झाड़ना; सूरज पर थूकना या धूल फेंकना-मूर्खता प्रगट करना, निर्दोष व्यक्ति पर कलंक लगाने का प्रयत्न करना।

**सूरजतनी** स्त्री. (तद्.) 'सूर्य-तनया' यमुना।

**सूरज-भगत** पुं. (तद्.) 'सूर्य-भक्त' असम और नेपाल में पाए जाने वाली भिन्न-भिन्न ऋतुओं में रंग बदलने वाली एक तरह की गिलहरी।

**सूरजमुखी** पुं. (तद्.) एक पौधा जिस पर एक सुंदर पीले रंग का फूल लगता है जो प्रातः से शाम तक सूर्य की ओर मुख करता हुआ खिला रहता है 2. एक ऐसा व्यक्ति जिसके शरीर और बालों का रंग भूरा, सफेद और सुनहला होता है तथा नीली/पीली आँखें होती हैं 3. सूर्यमुखी का तेल पकवान बनाने, के काम में आता है तथा हृदय रोगियों के लिए लाभप्रद होता है, यह साबुन बनाने के लिए उपयोगी होने के साथ अन्य कई प्रकार से भी उपयोगी होता है 4. मालवा और राजस्थान में शिशु के जन्मोत्सव के अवसर पर दसवें दिन सूर्य-पूजा के समय गाए जाने वाला एक लोकगीत।

**सूरजसुत** पुं. (तद्.) सूर्य का बेटा।

**सूरजसुता** स्त्री. (तद्.+तत्.) सूर्य-पुत्री (यमुना) सूर्य की तनया (सूर्य-तनया)।

**सूरजा** स्त्री. (तद्.) सूर्यजा-सूर्य की बेटा, यमुना।

**सूरण** पुं. (तत्.) एक कंद जो शाक-भाजी के काम आता है सूरन, ओला, जिमीकंद।

**सूरत** स्त्री. (अर.) 1. शक्ल, आकृति, मुख की बनावट, आकृति, दशा, हालत पुं. 1. रूप 2. चेहरा 3. उपाय, युक्ति उदा. अब तो रोगी के बचने की कोई सूरत नजर नहीं आती 4. रूपरेखा, समान 5. खाका 6. गुजराज प्रांत का एक प्रसिद्ध शहर जो समुद्री बंदरगाह भी है मुहा. सूरत दिखाना- सामने आना, उपाय या युक्ति सुझाना (बताना); सूरत निकल आना- उपाय मिलना, बहुत कमजोर हो जाना; सूरत पर झाड़ू फेरना- बहुत घृणा के कारण मुँह भी न देखने का इरादा कर लेना; सूरत-बिगड़ना- (रोगी हो जाने के कारण) दशा खराब हो जाना; सूतर बिगाड़ लेना- चेहरे से क्रोध या अप्रसन्नता प्रगट करना।

**सूरतन** अव्य. (अर.) सूरत से, शक्ल से, मुखाकृति से पुं. (तद्.) शूरता, वीरता, वीरत्व।

**सूरत परस्त** वि. (अर.+फा.) 1. ऊपरी टीपटाप रखने वाला 2. मूर्तिपूजक, बुत परस्त 3. हुस्न का पुजारी 4. अच्छे रूप का लोभी या उपासक, सौंदर्योपासक।

**सूरतपरस्ती** स्त्री. (अर.+फा.) 1. ऊपरी टीप-टाप देखना 2. मूर्तिपूजा, बुतपरस्ती 3. अच्छे रूप की उपासना, सौंदर्योपासना।

**सूरतशक्ल** स्त्री. (अर.+फा.) 1. रूपाकृति, चेहरे की आकृति 2. रूप-रंग।

**सूरतहराम** वि. (अर.+फा.) निकम्मा, जो कोई काम न करता हो, निकम्मेपन के कारण जिसकी सूरत देखना भी अच्छा न लगता हो।

**सूरति** स्त्री. (अर.) सुरति, सूरत।

**सूरदास** पुं. (देश.) 1. सूरसागर, साहित्य लहरी आदि रचनाओं के प्रणेता कृष्णभक्ति शाखा के प्रसिद्ध "अस्टछाप" के कवि पुंगव जो जन्मांध थे और जिनका जन्म 1540 वि. एवं मृत्यु 1620 वि. मानी जाती है 2. लाक्षणिक अर्थ में अंधा या नेत्रहीन व्यक्ति।

**सूरन** पुं. (तद्.) जमीकंद ओल, एक प्रसिद्ध कंद जो अग्नि दीपक और अर्श-नाशक होने के साथ स्वाद में कसैला होता है।